प्रवीण चन्द्र रॉय
स्नातक(पर्यटन),परास्नातक(प्रसारण पत्रकारिता)
परास्नातक(राजनीति विज्ञान),यूजीसी नेट-असिस्टेंट प्रोफेसर
कवि कथाकार स्तम्भकार

Pravin Chandra Roy
Bachelor(Tourism) Masters (Broadcast Journalism)
Masters(Political Sc) UGC NET- Asst Professor
Poet Story Writer Columnist
मेल Rtisource@gmail.com मो० 9268321130

आई०डी०क्र०- 14/1748

सूचना का अधिकार
RIGHT TO INFORMATION
पत्र संख्या:
03/04/2017

(03)

कम्प्यूटराइज्ड पंजीयन संख्या 62159
11/04/17

सेवा में,
लोक सूचना पदाधिकारी,
उपमुख्यमंत्री का कार्यालय,
पटना (बिहार)

श्रीमान,
कृपया सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत लिखित रूप में सूचना उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

366/सू०अ०(उ०) 12.4.17

(1) माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार के ईमेल पता deputycmbihar@gmail.com पर दिनांक 31 मार्च 2017, 00.35 बजे Pravincroy@gmail.com की ओर से प्रेषित ईमेल पर की गई कार्रवाई की प्रमाणित प्रति उपलब्ध करायें। प्रेषित ईमेल की प्रति इस आवेदन के साथ संलग्न है।

215 13/04/17

(2) इस आवेदन के साथ मूल्य 10.00 (दस) रुपये का भारतीय पोस्टल आर्डर 31F736475, दिनांक 27/01/2017 आरटीआई शुल्क स्वरूप संलग्न है।

आवेदक
(हस्ताक्षर) 03/04/2017
(प्रवीण चन्द्र रॉय)

02

Gmail

प्रवीण चन्द्र रॉय <pravincroy@gmail.com>

बौद्ध, हिन्दु व सूफी आस्था के सर्वाधिक पावन तीर्थ नगरी में चल रहे तीन बुचड़खानों को तत्काल बंद कराने की दिशा में अविलम्ब पहल करें.

प्रवीण चन्द्र रॉय <pravincroy@gmail.com> 31 March 2017 at 00:35
To: "deputycmbihar@gmail.com" <deputycmbihar@gmail.com>

माननीय उपमुख्यमंत्री,

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी,

पटना, बिहार।

विषय: बौद्ध, हिन्दु व सूफी आस्था के सर्वाधिक पावन तीर्थ नगरी में चल रहे तीन बुचड़खानों को तत्काल बंद कराने की दिशा में अविलम्ब पहल करें.

श्रीमान,

गया (बिहार) बौद्ध व हिन्दु आस्था का सर्वाधिक पावन तीर्थ स्थल है। यहीं बोधगया स्थित बोधि वृक्ष के नीचे भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। वर्षों की कठोर साधना के पश्चात गया में बोधि वृक्ष के नीचे सिद्धार्थ गौतम को ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे सिद्धार्थ गौतम से महात्मा बुद्ध बन गए। आज पुरे विश्व में करीब 200 करोड़ बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं और बौद्ध जनसंख्या विश्व की आबादी का 25% हिस्सा है। चीन, जापान, विएतनाम, थायलैंड, मंगोलिया, कंबोडिया, श्रीलंका, उत्तरी कोरिया, दक्षिणी कोरिया, म्यांमार, ताईवान, भूटान, हॉंगकॉंग, सिंगापूर आदि प्रमुख बौद्ध आबादी देश हैं। इन देशों के बौद्ध पर्यटक पावन नगरी गया आते रहते हैं। भगवान बुद्ध में आस्था रखने वाले विश्व के समस्त अनुयायियों का यह अतिमहत्वपूर्ण तीर्थस्थानों में से एक है। यह शहर हिन्दू तीर्थयात्रियों के लिए भी अति महत्वपूर्ण है। यहां भगवान विष्णु के पांव के निशान पर विष्णुपद मंदिर हिन्दू धर्म में अहम स्थान रखता है। गया पिंडदान के लिए भी विख्यात है। यहां फल्गु नदी के तट पर पिंडदान करने से मृत व्यक्ति को बैकुण्ठ की प्राप्ति होती है। यहां प्रख्यात सूफी संत हजरत मखदूम सय्यद शाह दरवेश अशरफ ने खानकाह अशरफिया की स्थापना की थी, जहां आज पूरे भारत से श्रद्धालु दर्शन के लिये आते रहते हैं। हर साल इस्लामी मास शाबान में हजरत मखदूम उर्स मनाया जाता है। विश्व के कोने कोने से बौद्ध, हिन्दू और मुस्लिम श्रद्धालु गया आते रहते हैं।

आश्चर्य है कि गया में तीन बड़े जानवरों का कत्लखाना 'बुचड़खाना' चल रहा हैं। इन बुचड़खानों

(61)

से बिहार सरकार को वर्ष 2010-2011 में 120500 रूपये, 2011-2012 में 133000 रूपये, 2012-2013 में 151600 रूपये, 2013-2014 में 164500 रूपये और 2014-2015 में 145000 रूपये की आमदनी हुई। उपर्युक्त वित्तीय वर्ष में बुचड़खाना से कुल 764600 रूपये (सात लाख चौसठ हजार छः सौ रूपये) की वसूली सरकारी मद में हुई है. इस पावन नगरी में चल रहा बुचड़खाना बौद्ध, हिन्दु व सूफी आस्था पर सीधा-सीधा प्रहार है। भगवान बुद्ध ने अहिंसा, महाकरुणा का संदेश दिया व अनेक प्रकार से प्राणी हिंसा का निंदा किया है । महोदय से आग्रह है की कृपया यहाँ चल रहे तीनों बुचड़खानों को तत्काल बंद कराने की दिशा में अविलम्ब पहल करें.

03/04/2017

आपका विश्वासी,

प्रवीण चन्द्र रॉय

पता: 203-बी, प्लाट-5, गली-24, साध नगर पार्ट-2, पालम, नई दिल्ली-110045

मो. 9268321130 मेल. Rtisource@gmail.com

(04)

प्रपत्र 'ङ'

(नियम 4 (2) देखें)

अन्य प्राधिकार से संबंधित आवेदन का स्थानान्तरण

बिहार सरकार

पथ निर्माण विभाग

नि० शाखा
कृपया शीघ्र
निर्गत करें।
24-04-17

पत्र संख्याः–लो.सू.को./आई.डी.सं.–14/17–18 2038 (E) पटना, दिनांक– 24/4/17

प्रेषकः

शैलेन्द्र कुमार
उप निदेशक (क्रय एवं परि०)–सह–लो०सू०पदा०,
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

सेवा में,

लोक सूचना पदाधिकारी,
जिला पदाधिकारी का
कार्यालय, गया।

महाशय,

श्री प्रवीण चन्द्र राय का सूचना आवेदन दिनांक–03.04.2017, जो इस विभाग में दिनांक–11.04.2017 को प्राप्त हुआ है (**आई0डी0 सं0–14/17–18**) निम्न कारणों से संलग्न किया जाता हैः–

याचित सूचना आपके कार्यालय के क्षेत्राधिकार में आता है, अतः अधिनियम की धारा–6(3) के अनुपालन में इसे आवश्यक कार्यार्थ आपको स्थानान्तरित किया जाता है। अनुरोध है कि अपने क्षेत्राधिकार से संबंधित सूचना सीधे आवेदक को उपलब्ध कराते हुए उसकी एक प्रति अधोहस्ताक्षरी को भी उपलब्ध कराने की कृपा की जाए।

अनुलग्नक–यथोक्त।

विश्वासभाजन
(हस्ताक्षर) 13/4/17
(शैलेन्द्र कुमार)

ज्ञापांक 2038 (E) पटना, दिनांक 24/4/17

प्रतिलिपिः– श्री प्रवीण चन्द्र राय, फ्लैट नं.- 203 बी, प्लॉट-05, स्ट्रीट-24 माधव नगर पार्ट-02, पालम, नई दिल्ली-110045 (आवेदक)।

चूँकि माँगी गई सूचना से संबंधित आपका आवेदन इस कार्यालय के क्षेत्राधिकार में नहीं आता है, इसे क्षेत्राधिकार में पड़ने वाले लोक सूचना पदाधिकारी को स्थानान्तरित कर दिया गया है। उल्लिखित लोक सूचना पदाधिकारी से संपर्क करने के लिए अनुरोध किया जाता है।

(हस्ताक्षर) 13/4/17
(शैलेन्द्र कुमार)

पथ निर्माण विभाग
कम्प्यूटरीकृत निर्गत
पंजीयन संख्या 30880
25-4-17